Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज

www.carpentersnews.com

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2022-24
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | जुलाई 2024 | वर्ष : 19 | अंक : 08 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

16 नवंबर को होगा कारपेंटर सम्मेलन .... पेज - 2

IVAS
डिज़ाइनर हार्डवेयर

इवास लाया है
उच्चतम क्वालिटी
के डोर क्लोज़र

स्मूथ, साइलेंट और स्ट्रॉन्ग – हर बार

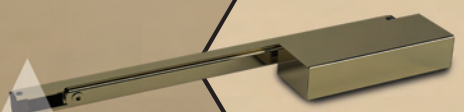
पेल्मेट-आर्म

रेग्युलर डोर क्लोज़र

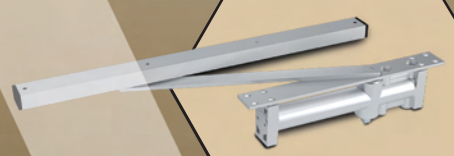
छिपा हुआ

Powered by
INFRA.MARKET

www.ivas.homes 99000 80007

16 नवंबर को होगा कारपेंटर सम्मेलन

फाइल फोटो

मुंबई। भवन निर्माण व आंतरिक साज-सज्जा से जुड़े कारीगरों की सामाजिक संस्था कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन 'एक शाम कारपेंटरों के नाम' का आयोजन 16 नवंबर 2024 को मालाड (पश्चिम) स्थित श्री धुड़मल बजाज हॉल में किया गया है। कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण विश्वकर्मा ने बताया कि इस समारोह में कारपेंटर भाइयों को भवन निर्माण व आंतरिक साज-सज्जा से जुड़े उत्पादों के बारे में जानकारी दी जाएगी। कारपेंटर महासम्मेलन में गीत-संगीत का कार्यक्रम लोकरंग का भी आयोजन किया गया है, जिसमें सुप्रसिद्ध लोकगायक सम-सामयिक गीत प्रस्तुत करेंगे। यह कार्यक्रम भवन निर्माण व आंतरिक साज सज्जा से जुड़े कारीगरों के लिए पूरी तरह निः शुल्क है।

ईकॉन ने भारत में घरेलू वितरण का विस्तार किया

अहमदाबाद। ईकॉन ने भारतीय बाजार में अपने रणनीतिक विस्तार की घोषणा की है। 25 से अधिक वर्षों के अंतरराष्ट्रीय अनुभव और एक मजबूत वैश्विक उपस्थिति के साथ ईकॉन का लक्ष्य पर्यावरण के अनुकूल और अत्याधुनिक समाधानों के साथ भारत के निर्माण और गृह सुधार क्षेत्रों में क्रांति लाना है। कंपनी आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों में भारतीय उपभोक्ताओं की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है। इस लॉन्च का मुख्य आकर्षण इसका प्रमुख उत्पाद मास्टरबोर्ड है, जिसे निर्माण, नवीनीकरण और साइनेज समाधानों में मानकों को फिर से परिभाषित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

ईकॉन के प्रबंध निदेशक शुभम तैलिया ने भारत की विनिर्माण क्षमताओं का लाभ उठाने की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ईकॉन को अपनी श्रेणी में भारत के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक होने पर गर्व है, जो दुनिया भर के प्रमुख खुदरा विक्रेताओं और वितरकों को प्रीमियम उत्पाद प्रदान करता है। ईकॉन का रणनीतिक फोकस भारत भर में एक मजबूत वितरण नेटवर्क का निर्माण करना, दरवाजों, दीवार पैनलों और मास्टरबोर्ड से लेकर छत और साइनेज समाधानों तक अपने व्यापक उत्पाद रेंज की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इस पहल का उद्देश्य आर्किटेक्ट्स, इंटीरियर डिजाइनरों, ठेकेदारों, बिल्डरों, कारपेंटर और निर्माण फर्मों को बेहतर निर्माण सामग्री और साइनेज समाधानों के साथ सशक्त बनाना है।

कौशल विकास योजना के लिए एफएफएससी व उद्योग परामर्श बैठक

कोलकाता। कोलकाता और पुणे के लिए कौशल विकास योजना तैयार करने के उद्देश्य से एफएफएससी (फर्नीचर और फिटिंग्स स्किल काउंसिल) ने 7 जून और 13 जून 2024 को उद्योग परामर्श की बैठक आयोजित की। इसमें स्किलएम्बेसडर्स किचिना, क्रिएटिसिटी, इंडियन इंटीरियर डिजाइनर्स संस्थान (आईआईआईडी), रिटेल सॉल्यूशंस, शंभाला होम, कैरिसिल प्रोडक्ट्स लिमिटेड और डेक्सार्टे ने समर्थन दिया। उद्योग साझेदारों ने अपनी मानव संसाधन समस्याओं, अकुशल कार्यबल, कर्मचारी कमी और प्रशिक्षण सुविधाओं की जरूरत के बारे में चिंताएं व्यक्त कीं और समाधान पर विचार-विमर्श किया। इन परामर्श बैठकों में 100 से अधिक उद्योग साझेदारों ने हिस्सा लिया, जिससे इस क्षेत्र को सुधारने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता को दशार्या गया। राहुल मेहता, सीईओ (एफएफएससी) ने एफएफएससी के कौशल विकास मॉडल को प्रस्तुत किया। इस मॉडल के तहत उद्योग की मांग को औपचारिक रूप देने और प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता और मानव संसाधन समाधान प्रदान करने के लिए उपयुक्त बुनियादी ढांचा बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में क्षेत्रीय कौशल अध्याय स्थापित किए जा रहे हैं।

शिल्प से संवरेगी श्रीनगर की सीरत

जम्मू। अपने अनूठे और अद्वितीय हस्तशिल्प के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध श्रीनगर को विश्व शिल्प नगरी घोषित किया गया है। इससे न सिर्फ स्थानीय हस्तशिल्प उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि सदियों से परंपरागत हस्तशिल्प कला को आगे बढ़ा रहे हस्तशिल्पियों और कारीगरों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान में भी मदद मिलेगी। यह कश्मीर में पर्यटन को भी गति देगा। विश्व शिल्प नगरी की उपलब्धि प्राप्त करने वाला श्रीनगर देश का चौथा और उत्तरी भारत का पहला शहर है। इससे पूर्व मल्लापुरम, जयपुर और मैसूर को विश्व शिल्प नगरी के रूप में मान्यता मिल चुकी है। श्रीनगर को यूनेस्को क्रिएटिव सिटी के रूप में भी मान्यता मिल चुकी है। झेलम नदी के दोनों तरफ बसा श्रीनगर शहर दुनिया के प्राचीन शहरों में एक है।

यह सम्मान हमारे की शिल्पकारों कड़ी मेहनत और असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। यह उनके समर्पण और श्रीनगर की सांस्कृतिक समृद्धि को उजागर करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के हस्तशिल्प और हथकरघा क्षेत्र के लिए दृढ़ समर्थन दिखाया है। वह विश्व के नेताओं को जम्मू-कश्मीर के कारीगरों द्वारा तैयार स्मृति चिन्ह भेंट करके क्षेत्र के हस्तशिल्प को सक्रिय रूप से बढ़ावा देते हैं।
मनोज सिन्हा, उपराज्यपाल

श्रीनगर में शाल-कालीन बुनकर, कढ़ाई करने वाले, लकड़ी विशेषकर अखरोट की लकड़ी का नक्काशीदार सामान तैयार करने वाले, हाथ से तांबे के बर्तन तैयार करने वाले, पेपरमेशी, चांदी के बर्तन व गहने बनाने वाले, चमड़े का सामान तैयार करने वाले कारीगरों की एक बड़ी तादाद है। जम्मू-कश्मीर में साढ़े तीन लाख से अधिक शिल्पकार और अकेले श्रीनगर शहर में 60 हजार से अधिक लोग शिल्प कलाओं से जुड़े हैं। ये सभी संबंधित शिल्प को पीढी दर पीढी आगे बढ़ा रहे हैं। वर्ष 1990 में कश्मीर में आतंकी हिंसा का दौर शुरू होने के बाद अन्य कारोबारी गतिविधियों के साथ हस्तशिल्प उद्योग भी प्रभावित हुआ। इसके बावजूद इसने जम्मू- कश्मीर की अर्थव्यवस्था को संभाले रखने में मदद की। इसके बाद वर्ष 2008 व 2010 में पहले हिंसक प्रदर्शनों ने और वर्ष 2014 में विनाशकारी बाढ़ ने हस्तशिल्प उद्योग को नुकसान पहुंचाया। कई कारीगर बेकार हुए। इससे पहले कि इस स्थिति से उभरते वर्ष 2016 में कश्मीर में जो हुआ और उसके बाद 2019 के सुरक्षा हालात, फिर कोरोना ने भी नुकसान पहुंचाया। अब बीते दो वर्ष से स्थिति में बदलाव आ रहा है।

राहुल गांधी दिहाड़ी मजदूरों से मिले

नई दल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी दिल्ली के जीटीबी नगर पहुंचकर दिहाड़ी मजदूरों और श्रमिकों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मजदूरों की समस्याएं सुनने के बाद उनके साथ काम भी किया। उन्होंने अचानक फावड़ा उठाकर सीमेंट मिलाई और दीवार की चुनाई भी की। उन्होंने मजदूरों की दिक्कतें पूछीं और जाना कि वे क्या काम करते हैं। इसके बाद उन्होंने किंग्सवे कैंप के लेबर चौक पर काफी देर तक मजदूरों से चर्चा की और उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि ये मेहनती मजदूर हिंदुस्तान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। इनके जीवन को सरल और भविष्य को सुरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है। इससे पहले भी राहुल गांधी कई बार कारपेंटरों, मजदूरों, किसानों के बीच जा चुके हैं। साल भर पहले राहुल दिल्ली के एक गैरेज में पहुंच गए थे। वहां मैकेनिक्स के साथ काम किया। उस वक्त वायरल हुई तस्वीरों में राहुल गांधी एक बाइक ठीक करते हुए नजर आए थे।

फर्नीचर क्लस्टर का दायरा सिकुड़ा

इंदौर। औद्योगिक क्षेत्र फर्नीचर क्लस्टर को जमीन पर उतरने में अब कम से कम साल भर लगेगा। इस बीच इसके स्वरूप में बदलाव हो चुका है। यह क्लस्टर अब सिकुड़कर सिर्फ 50 एकड़ में सिमट रहा है। पहले इस औद्योगिक क्षेत्र के लिए साढ़े चार सौ एकड़ की जमीन मांगी गई थी। सरकार इतनी जमीन नहीं दे सकी। इसके बाद क्लस्टर के लिए बनी उद्योगपतियों की समिति ने तमाम इच्छुक उद्योगपतियों को उनकी राशि भी लौटा दी है। छोटा बेटमा क्षेत्र में बनने वाले फर्नीचर क्लस्टर के नए लेआउट प्लान को मंजूरी के लिए एसपीवी ने फिर से शासन तक भेजा है। पहले इस क्लस्टर के लिए करीब सवा सौ उद्योग कतार में थे। इनमें से बाहर के तमाम बड़े नाम और कुछ विदेशी ब्रांड भी शामिल थे। हालांकि क्लस्टर के लिए तय जमीन पर जब एमपीआइडीसी रोड निर्माण कर लेगा उसके बाद ही क्लस्टर में कार्य शुरू हो सकेगा।

कारपेंटर्स न्यूज़

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

संपर्क करें : Mo. 9320566633 / 7588951633 | Email: carpentersnews@gmail.com

कारपेंटर्स न्यूज़ का वॉट्सऐप चैनल फॉलो करें

मुंबई | जुलाई 2024 | वर्ष : 19 | अंक : 08 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

कारीगर और शिल्पकार हुए प्रशिक्षित

लखनऊ। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत प्रदेश के 21 जिलों में 17,342 कारीगरों और शिल्पकारों को प्रशिक्षण दिया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य कारीगरों और शिल्पकारों की आजीविका में सुधार लाना है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान कारीगरों और शिल्पकारों को विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षित किया गया।

JOIN NOW

Godrej Vishesh लाभ Club

Godrej | ARCHITECTURAL FITTINGS AND SYSTEMS

SMART ENGINEERING FOR MODERN LIVING.

आपका पसंदीदा डोर क्लोज़र, अब 3 खूबसूरत फ़िनिशेज़ में

हरक्यूलिस डोर क्लोज़र **सिल्वर, गोल्ड और मैट ब्लैक फ़िनिश में।**

मैट ब्लैक

सिल्वर

गोल्ड

- 1 लाख बार टेस्ट किया गया
- 3 सालों की वॉरंटी

अधिक जानकारी के लिए हमें यहां पर मिस्ड कॉल दें 96100 05641

गुरु व परमात्मा का दर दाता का दर है भिखारी का नहीं : स्वामी हरि चैतन्य पुरी

कामां। तीर्थराज विमल कुंड स्थित श्री हरि कृपा आश्रम के संस्थापक व श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज ने श्री हरि कृपा आश्रम में उपस्थित विशाल भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि संत, गुरु व परमात्मा का दर दाता का दर है ना कि भिखारी का। आज के तथाकथित संत, गुरु ब्राह्मण व शिक्षकों ने अपने सम्मान व गरिमा को स्वयं खोया है। संत व गुरु हमारी संपत्ति नहीं अपितु संतति चाहते हैं। संपत्ति चाहने वाला लालची, लोभी व्यक्ति गुरू या संत कदापि नहीं हो सकता। सच्चा भाव ही सच्ची उपासना है।

सच्चे हृदय से प्रेम व श्रद्धापूर्वक की गई प्रार्थना को परमात्मा अवश्य सुनते हैं चाहे व्यक्ति को वेद, शास्त्र, पुराणों का ज्ञान हो या न हो, भाषा शैली भी विशेष हो या न हों, चाहे हम शिक्षित हों या अशिक्षित हों, शुद्ध हार्दिक भावनाओं से किसी प्रकार भी प्रार्थना की जाए तो परमात्मा उसे नजरअंदाज नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हम स्वयं इतनी चिंता नहीं कर सकते जितना की प्रभु का चिंतन दृढ़ विश्वास पूर्वक करने पर स्वयं परमात्मा हमारी चिंता करेंगे व ध्यान रखेंगे। संसार में सभी लोग अधिकांश किसी न किसी स्वार्थवश ही संबंध रखते हैं बिना किसी स्वार्थ के संबंध बनाए रखने वाले अपवाद स्वरूप कुछ ही लोग मिलेंगे। जीव मात्र से बिना किसी स्वार्थ के हित चाहने व प्रेम करने वाले तो एक मात्र संत, गुरु व परमात्मा ही हैं। आज हमारी, हमारे परिवार, देश, समाज की जो दुर्दशा हो रही है। विभिन्न प्रयास करने के बावजूद जिससे हम उबर नहीं पा रहे हैं, प्रयास करने के साथ साथ प्रभु से उनकी कृपा याचना से परिपूर्ण भाव सहित प्रार्थनाएं अवश्य करनी चाहिए। परमात्मा हमारी वस्तुओं, पदार्थों, मान सम्मान इत्यादि का नहीं, वह तो हमारी प्रेम व भावनाओं का भूखा है। प्रेम रहित दुर्योधन के अतिथ्य को त्याग कर विदुर की कुटिया में रुखा साग व केले के छिलके भी प्रेम सहित स्वीकार करता है। भीलनी के खट्टे मीठे जूठे बेर में उसे जो स्वाद आता है ऐसा तो अयोध्या व जनकपुर के विभिन्न व्यंजनों में भी नहीं आता। हमें परमात्मा के प्रति विश्वास ही नहीं बल्कि दृढ़ विश्वास होना चाहिए। ईश्वर के प्रति मन में यदि संशय आ जाता है तो उसके प्रति होने वाली भक्ति स्वतः ही नष्ट हो जाती है तथा ईश्वर के प्रति प्रेम भी नष्ट हो जाता है। ऐसा तब होता है जब निज हित में चिंतन किया जाता है। प्यार की ना तो कोई परिभाषा होती है और न ही प्यार को किसी बंधन में बांधा जा सकता है। स्वार्थ के रहते आसक्ति को प्यार नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि बिना विचारे कोई कर्म न करें तथा न ही कुछ बोलें, ना किसी से संबंध बनाए व नही किसी से कोई व्यवहार करें। विचारशील प्राणी कुछ भी बोलने से, व्यवहार करने, संबंध बनाने या कर्म करने से पहले विचार करता है। जिससे उसे ग्लानि, पश्चाताप व उपहास का सामना नहीं करना पड़ता।

सांप ने डंसा तो युवक ने गुस्से में सांप को काटा

पटना। नवादा जिले के रजौली क्षेत्र में अजब घटना घटी। एक युवक ने सांप के डसने पर गुस्से में सांप को ही काट लिया, जिससे सांप की मौके पर मौत हो गई। झारखंड के लातेहार के पाण्डुका गांव का रहने वाला संतोष लोहार रेलवे लाइन बिछाने के काम के लिए अन्य मजदूरों के साथ अपने बेस कैंप में सो रहा था। तभी उसे सांप से डस लिया। गुस्से में आए संतोष ने सांप को पकड़कर उसे तीन बार दांत से काट लिया, जिससे सांप मर गया। घटना के तुरंत बाद संतोष को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान शुरू

नई दिल्ली। पश्चिम विहार के मियांवाली गांव से एक पेड़ मां के नाम अभियान शुरू किया गया। अभियान को दिल्ली देहात के सभी गांवों तक पहुंचाया जाएगा। निगम पार्षद मोनिका गोयल और दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव की अगुवाई में पौधरोपण किया गया। पंचायत संघ प्रमुख ने कहा कि हम स्वयं जागरूक रहेंगे, तभी पर्यावरण संकट से आने वाली पीढ़ी को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस बार 50 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान पहुंचना, 1936 के बाद दिल्ली में 24 घंटे में 228 मिमी बारिश का होना, ठंड में दिल्ली का सबसे प्रदूषित शहर में शुमार होना यह बताता है कि हम दिल्ली वाले सही रास्ते पर नहीं हैं।

जायका इंडिया का

कटहल कढ़ी

कढ़ी एक ऐसा व्यंजन है, जो हर किसी के घर में बनाया जाता है। दही या छाछ और हल्के मसालों को मिलाकर कढ़ी बनाई जाती है। कढ़ी बनाने का सबका अलग-अलग तरीका होता है। कोई पकौड़े वाली कढ़ी बनाता है, तो कोई सब्जी की कढ़ी बनाता है। लेकिन कढ़ी वही अच्छी होती है, जिसको अच्छे से उबाला व पकाया जाता है। इसको धीमी आंच पर पकाया जाता है। कढ़ी को अच्छे से पकाने से इसमें खुशबू के स्वाद आता है और यह गाढ़ी होती जाती है। कई बार एक ही स्वाद का खाना खाते-खाते बोरियत होने लगती है। कटहल और करेले की कढ़ी की रेसिपी को ट्राई किया जा सकता है जो खाने में लाजवाब है।

सामग्री : कटहल 250 ग्राम, दही 2 कप, लाल मिर्च पाउडर 2 चम्मच, हल्दी पाउडर 1 छोटा चम्मच, कसूरी मेथी 1 छोटा चम्मच, लहसुन-अदरक का पेस्ट 1 चम्मच, गरम मसाला 1 छोटा चम्मच, तेल 2 चम्मच, करेला 1 (कटा हुआ), प्याज 1 (कटा हुआ), जीरा पाउडर 1 चम्मच, धनिया पाउडर 1 चम्मच, नमक स्वादानुसार, पानी आवश्यकतानुसार

विधि : कटहल और करेले को धोकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। करेले के बीज को अच्छे से निकालकर धो लें, जिससे उसकी कड़वाहट निकल जाए। फिर एक बाउल में दही, कसूरी मेथी, हल्दी पाउडर, नमक, गरम मसाला और लहसुन-अदरक का पेस्ट डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब करेले और कटहल को इसमें डाल दें और करीब 30 मिनट के लिए मैरीनेट करने के लिए रख दें। अब गैस पर पैन गर्म करने के लिए रख दें और 2 चम्मच तेल डालकर मसालेदार करेले व कटहल को पैन में डालें। अब गैस को लो कर दें और इसको चलाते हुए कुछ देर तक पकाएं। वहीं एक कड़ाही में तेल गर्म करने के लिए रख दें, फिर इसमें दालचीनी, फली इलायची, तेजपत्ता, लौंग और बचा हुआ सभी सामान डाल दें। जब यह सारे मसाले अच्छे से पक जाएं तो पानी डालकर करीब 10 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब ऊपर से गरम मसाला डालें। लाजवाब रेसिपी बनकर तैयार हो जाएगा। अब इसको गरमा-गरम रोटी के साथ सर्व करें।

कनाडा के जंगल की आग ने बढ़ाई दुनिया में गर्मी

मुंबई। कनाडा के जंगलों में साल 2023 में गर्मी की वजह से लगी भयावह आग ने दुनिया में अधिक प्रदूषण फैलाने के साथ ही तापमान में भी इजाफा किया है। विश्व संसाधन संस्थान और मैरीलैंड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के ग्लोबल चेंज बायोलॉजी में प्रकाशित एक नए अध्ययन में इस बात का खुलासा किया गया है। शोध में देखा गया कि कनाडा के जंगल की इस आग की छोड़ी कार्बन डाइऑक्साइड से पश्चिमी वर्जीनिया से भी बड़ा जंगल जल उठा था। वैज्ञानिकों ने 2023 में कनाडा में महीनों तक जलने वाली आग के विनाशकारी प्रभाव का आकलन किया। इसके मुताबिक इसने हवा में 3.28 बिलियन टन गर्मी पैदा करने वाली कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ी थी। यूएस पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार यह कार्बन डाइऑक्साइड की लगभग उतनी ही मात्रा है जितनी 647 मिलियन कारें एक वर्ष में हवा में छोड़ती हैं। इस आग से एक साल में हवाई जहाजों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन के मुकाबले लगभग चार गुना उत्सर्जन अधिक हुआ। सिरैक्यूज विश्वविद्यालय के भूगोल और पर्यावरण के प्रोफेसर जैकब वेंडिक्स ने कहा कि इतने सारे जंगल का नुकसान बहुत बड़ी बात है और वैश्विक दृष्टि से बेहद चिंताजनक है।

500 वर्ष पुराना पेड़, अब तक फल नहीं

लखनऊ। बागपत के शिव मंदिर में एक अनोखा पेड़ है। इस पेड़ की खासियत यह है कि इस पर कभी फल नहीं आते। हां, पर फूल तो खूब आते हैं। कहा जाता है कि एक ऋषि ने इस पेड़ को श्राप दिया था। लगभग 450 वर्ष पूर्व मंगल गिरी महाराज तपस्या कर रहे थे। तब इस पेड़ का फल टूटकर गिरा और उनकी तपस्या भंग हुई थी। तभी से इस पेड़ पर फल नहीं आते है।

बागपत का यह शिव मंदिर काठा गांव में है। स्थानीय निवासी सतपाल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि केंदू का पेड़ मंदिर में मौजूद है। इस पेड़ पर फल नहीं आते। मंदिर में मौजूद इस वृक्ष को महात्मा द्वारा दिया गया श्राप लगा था। मंगल गिरी महाराज एक महान संत थे, जिनकी समाधि मंदिर में मौजूद है। मंदिर में ही उनका एक तख्त मौजूद है। मंगल गिरी महाराज का आशीर्वाद लेने लोग दूर दूर से आते हैं। उनके खड़ाऊ इसी तख्त के पास मौजूद है। उसकी पूजा अर्चना भी होती है। यह मंदिर विशेष मान्यताओं वाला मंदिर है। यहां दूर दूर से शिव भक्त आकर पूजा अर्चना करते है।

नई पीढ़ी शौक को बनाये अपना कैरियर

मुंबई। सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि युवाओं को अपने शौक को ही अपना कैरियर बनाना चाहिए। विलेपार्ले (पश्चिम) स्थित मुकेश पटेल हॉल में भाजपा विधायक अमित साटम लिखित पुस्तक उड़ान के विमोचन के अवसर भागवत ने कहा कि अगर डॉक्टर, इंजिनियर बनना आपका शौक है तो आपको उसी क्षेत्र में जाना चाहिए लेकिन आपको संगीत में शौक है तो बेशक उसे ही अपना कैरियर बनाना चाहिए। आज करियर का मतलब परीक्षा में अच्छे अंक और नौकरी में अच्छा वेतन हो गया है। लेकिन यह सही नहीं है। केवल सफल होने को ही करियर नहीं कहा जा सकता। अपने जुनून से करियर बनाने में कोई भी इतना भाग्यशाली नहीं है। उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि यह पुस्तक निश्चित रूप से आने वाली युवा पीढ़ी के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में काम करेगी। विधायक अमित साटम ने कहा कि माता पिता को अपने बच्चों पर अपने सपने नहीं थोपने चाहिए, बल्कि एक सुरक्षा कवच बनकर बच्चे की रक्षा करनी चाहिए और उन्हें अपने जुनून को करियर के रूप में चुनने में मदद करनी चाहिए। इस अवसर पर एनएमआईएमएस विश्वविद्यालय के प्रो-वाइस चांसलर डॉ. शरद म्हैसकर उपस्थित रहे।

समाज के विकास से ही मिलेगी सत्ता में भागीदारी - मुकुल आनंद

भागलपुर। भारतीय विश्वकर्मा महासंघ के प्रांतीय सम्मेलन में महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल आनंद विश्वकर्मा ने कहा कि 8.5 प्रतिशत जनसंख्या वाले विश्वकर्मा समाज आजादी के 76 वर्षों के बाद भी सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक व राजनीतिक क्षेत्रों में उपेक्षित है। देवी बाबू धर्मशाला सभागार में विश्वकर्मा समाज के भविष्य की राजनीति पर परिचर्चा हेतु आयोजित प्रांतीय सम्मेलन में उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज के लोग जब तक एमपी, एमएलए नहीं बनेंगे तब तक विश्वकर्मा समाज के अधिकारों का हनन होता रहेगा। सरकार में भागीदारी से ही समाज के विकास का रास्ता खुलता है। जिसकी दो प्रतिशत आबादी है उन्हें सत्ता में आजादी से लेकर अब तक सम्मान मिल रहा है जबकि विश्वकर्मा वंशी की आबादी 8.5 प्रतिशत है फिर भी सत्ता से वंचित है। अब विश्वकर्मा समाज इस अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगा। राजनीतिक भागीदारी नहीं अब सत्ता का संघर्ष होगा।

भारतीय विश्वकर्मा महासंघ का प्रांतीय सम्मेलन संपन्न

मुख्य अतिथि बतौर तिलका मांझी विश्वविद्यालय के कुलपति जवाहरलाल ने भगवान विश्वकर्मा पर प्रकाश डालते हुए समाज को अपने इतिहास से अवगत कराया व साथ ही समाज को शिक्षा के प्रति संवेदनशील होने के लिए प्रेरित किया। पूर्व विधान परिषद प्रत्याशी डॉ. संजीव पोद्दार ने कहा कि मुकुल आनंद के नेतृत्व में विश्वकर्मा समाज पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध आवाज उठाने का संकल्प लेना होगा। प्रदेश नेत्री सुजाता शर्मा ने महिलाओं को भी आगे लाने की पहल करने पर जोर दिया और कहा कि आधी आबादी महिलाओं की है, उन्हें सामाजिक व राजनैतिक चेतनाबद्ध करने की आवश्यकता है। संयोजक विशाल आनंद ने कहा कि समय की मांग है कि विश्वकर्मा के पांचों पुत्रों स्वर्णकार, बढ़ई, लोहार, कुम्हार, ठठेरा व कसेरा समाज एकजुट होकर संघर्ष कर सत्ता पर काबिज हो। इस अवसर पर रंजित शर्मा, राजेंद्र पोद्दार, राजेश पंडित, विजय कुमार, मेजर आर. के. लाल, प्रीतम विश्वकर्मा, विद्याभूषण शर्मा, निरंजन शाह, संतोष शाह, पवन शर्मा, रघुनंदन शर्मा, आनंदी शर्मा आदि ने भी विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विशाल आनंद व संचालन उमाशंकर शर्मा ने किया। ब्रह्म प्रकाश ठाकुर ने सम्मेलन में आये हुए लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

मोहिंदर लाल फिर अध्यक्ष बने

जम्मू। विश्वकर्मा मंदिर, न्यू प्लॉट्स, जम्मू के अध्यक्ष मोहिंदर लाल को फिर से अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। प्रबंधक कमेटी विश्वकर्मा मंदिर की बैठक में उपस्थित सदस्यों ने मोहिंदर लाल के उत्कृष्ट कामकाज को ध्यान में रखते हुए उन्हें अध्यक्ष पद के लिए दूसरे कार्यकाल के लिए तीन साल के लिए बढ़ाने पर अपनी सहमति दे दी।

बलवंत कटारिया को सलाहकार के रूप में प्रबंधक समिति में शामिल किये जाने का प्रस्ताव भी एक स्वर से अनुमोदन किया गया। इसी प्रकार दो नए सदस्यों विनोद कुमार को संयुक्त सचिव व अमन कुमार को सदस्य के रूप में भी समिति में शामिल किया गया।

बैठक में मंदिर परिसर में लोहार/तारखान पारंपरिक व्यवसाय का एक संग्रहालय स्थापित करने, मंदिर में पुजारी की नियुक्ति, बिरादरी कल्याण गतिविधियों, विश्वकर्मा साहित्य के उन्नयन आदि के सुचारू और प्रभावी कामकाज के लिए समिति में नए सदस्यों को शामिल करने जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। कार्यवाही का संचालन जोगिंदर अंगोत्रा ने किया। बैठक में आर सी अंगोत्रा, रतन लाल सलगोत्रा, भूषण बिरदी, बलवंत कटारिया आदि उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा लाइब्रेरी की टीम ने किया तेरशा गांव का दौरा

जम्मू। जन चेतना अभियान के अंतर्गत श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी न्यू प्लॉट जम्मू की एक टीम बलवंत कटारिया के नेतृत्व में गांव तेरशा, तहसील भलवाल, जम्मू पहुंची और वहां जागरूकता शिविर लगाया। शिविर में लगभग 20 विश्वकर्मा परिवारों को विश्वकर्मा रिपोर्टर पत्रिका व विद्यार्थियों को नोट बुक वितरित की गई। टीम में मास्टर प्रवीण सरोच, ओम कटारिया, जोगिंदर अंगोत्रा भी शामिल थे। बलवंत कटारिया ने कहा कि विश्वकर्मा समाज ओबीसी में आता है और बच्चों को आगे बढ़ने के लिए अच्छी शिक्षा बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ज्ञान है और ज्ञान शक्ति है। सरकार ने ओबीसी बच्चों का वजीफा गत चार वर्षों से बंद कर दिया है, जिससे गरीब बच्चों को पढ़ाई जारी रखने में मुश्किल आ रही है। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी प्रत्येक गांव में घर घर जाकर गरीब और मेधावी छात्रों को मदद उपलब्ध करा रही है। सभी विद्यार्थियों को विश्वकर्मा विद्यार्थी व्हाट्सएप ग्रुप में जुड़ने के लिए उनके मोबाइल नंबर नोट किए गए। शिविर का आयोजन शिवानी कटारिया द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में कृष्ण लाल कटारिया (पूर्व पंच), अनिता देवी (पंच) व अशोक कुमार कटारिया भी उपस्थित रहे।

एसएसएफ जवान के परिजनों से मिले पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा

लखनऊ। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा ने अयोध्या में राम मंदिर की सुरक्षा में तैनात एसएसएफ के जवान शत्रुघ्न विश्वकर्मा की गोली लगने से हुई मौत पर शोक संवेदना व्यक्त करने उनके घर जनपद अंबेडकरनगर के ग्राम पिडौला पहुंचे। परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की व घटना की पूरी जानकारी ली। राम मंदिर के उत्तर दिशा में परिसर गेट के पास ड्यूटी पर तैनात जवान शत्रुघ्न विश्वकर्मा की 19 जून को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी।

मीडिया खबरों के मुताबिक राम मंदिर के उत्तर दिशा में परिसर गेट के पास ड्यूटी पर तैनात जवान शत्रुघ्न विश्वकर्मा के पास से सुबह 5, 20 पर गोली चलने की आवाज आई तो आनन फानन में परिसर की सुरक्षा में तैनात सभी सुरक्षाकर्मी

अलर्ट हो गए और मोर्चा भी संभाल लिया। जब सुरक्षाकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे तो जवान शत्रुघ्न विश्वकर्मा जमीन पर पड़ा हुआ था। जिसके बाद घायल जवान को एंबुलेंस से दर्शन नगर ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के बड़े भाई दिलीप विश्वकर्मा ने बताया कि मेरे भाई ने आत्महत्या नहीं की बल्कि उसकी हत्या की गयी है। उन्होंने कहा कि मेरे भाई के मौत की उच्चस्तरीय जांच हो ताकि घटना की सच्चाई सबके सामने आ सके।

पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा ने कहा कि हम परिवार को न्याय दिलाएंगे व पुलिस महानिदेशक से मिलकर घटना की उच्च स्तरीय जांच करायेंगे। इस अवसर पर अभाविशिम के जिलाध्यक्ष प्रभंजन विश्वकर्मा, महासभा अध्यक्ष कैलाश विश्वकर्मा, बंटी विश्वकर्मा, रवीन्द्रनाथ विश्वकर्मा, जयप्रकाश विश्वकर्मा, संजीव विश्वकर्मा, बृजकुमार विश्वकर्मा, जियालाल विश्वकर्मा, रामजन्म विश्वकर्मा, अर्जुन विश्वकर्मा, इन्द्रसेन विश्वकर्मा, विनोद विश्वकर्मा, शिवकुमार विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, रामकुमार विश्वकर्मा, बृजेश विश्वकर्मा नंदलाल विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

लिंक लॉक्स : स्वर्णिम भविष्य की ओर

लिंक लॉक्स भारतीय हार्डवेयर उद्योग में एक जाना माना ब्रांड है, जिसे किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। नवाचार और बाजार विस्तार पर ध्यान केंद्रित करने के कारण लिंक लॉक्स ने पिछले वित्तीय वर्ष में प्रभावशाली वृद्धि हासिल की है जो की इसको आधुनिक तकनीक और नयी सोच को समावेश करने से मिली है। इसके अलावा इसने अपने बाजार के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया है। लिंक लॉक्स अपने उपभोक्ता-केंद्रित दृष्टिकोण, नवीन समाधानों और प्रीमियम गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सभी वर्गों के ग्राहकों में लोकप्रिय है। बाजार द्वारा अपनी स्वीकार्यता से उत्साहित होकर, ब्रांड ने बड़े पैमाने पर विस्तार की योजना बनाई है। कारपेंटर्स न्यूज के साथ बातचीत में लिंक लॉक्स प्रा. लि. के अध्यक्ष अनिल भारद्वाज ने अपनी इन महत्वकांक्षी विस्तार योजनाओं को साझा किया।

● लिंक लॉक्स की उल्लेखनीय विकास यात्रा

लिंक लॉक्स ने एक समूह के रूप में आश्चर्यजनक रूप से 53% की वृद्धि हासिल की है और हम इस वर्ष हम इसको भी पार करना चाहते हैं। हम एक ऐसा ब्रांड हैं जो वास्तव में उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह समर्पित है और विकास रणनीतियों को तरजीह देकर व्यापार को बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है।

पिछले वर्ष 300 मिलियन के कारोबार के साथ, हमने इस वर्ष 580 मिलियन का लक्ष्य रखकर अपने लक्ष्य को और भी ऊंचा रखा है। पिछले साल आर्किटेक्चरल हार्डवेयर और पैडलॉक जैसी विशिष्ट श्रेणियों में, लिंक लॉक्स ने क्रमशः 90 करोड़ और 200 करोड़ का कारोबार किया। हालांकि इस साल हम इन सेगमेंट के लिए 150 करोड़ और 350 करोड़ टर्नओवर का लक्ष्य रख रहे हैं। इसके अलावा, हम इस वर्ष फर्नीचर फिटिंग श्रेणी में 200% की महत्वपूर्ण वृद्धि हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मोटे तौर पर हमारी रणनीति प्रत्येक श्रेणी में मार्किट लीडर्स के समक्ष बेंचमार्क बनाना है और 20-25% की बाजार की हिस्सेदारी का लक्ष्य रखना है।

● नए उद्यमों की योजना

लिंक लॉक्स वर्तमान में ब्रांड विस्तार के साथ साथ ग्रुप के विस्तार में भी लगा हुआ है। हमारी विस्तार यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हाथ के औजारों की हमारी नयी श्रृंखला है, जिसमें कारपेंटर टूल्स भी शामिल है। यह हमारी कंपनी को भारतीय बाजार में हैंड टूल्स बनाने वाली अग्रणी कंपनी के रूप में स्थापित कर देगा। लिंक हैंड टूल्स उत्पाद श्रृंखला में स्क्रू ड्राइवर और DI किट जैसी सभी आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं। हम विशेष रूप से अपनी उक्त किट की पेशकश का विस्तार करने के लिए उत्सुक हैं ताकि बढ़ती उपभोक्ता मांग को पूरा किया जा सके। हम बिजली उपकरणों को भी शामिल करके अपनी उत्पाद श्रृंखला में और विविधता ला रहे हैं। हार्डवेयर श्रेणी में, लिंक लॉक्स ने ऐसे इनोवेशन और समाधान पेश किए हैं जो बड़े और वजनदार दरवाजों में भी इस्तेमाल हो सकेंगे। पैडलॉक अक्सर अनदेखा किया जाने वाला उत्पाद है, हम जल्द ही बायोमेट्रिक और कॉम्बिनेशन पैडलॉक जैसे उन्नत समाधान प्रस्तुत करने जा रहे हैं।

● स्वर्णिम भविष्य की ओर

विस्तार पर ध्यान केंद्रित करते हुए, लिंक लॉक्स डिजिटल लॉक, तिजोरियां और IoT उपकरणों जैसे समाधानों तक विस्तार करने की भी योजना बना रहा है। इसके अलावा हम रसोई उपकरणों में कदम रखने की तैयारी कर रहे हैं। हम अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रवेश करने की अपनी योजना के साथ-साथ जुलाई में इस श्रेणी पर काम शुरू करेंगे। वर्तमान में हम जीसीसी, ईएमईए और यूके में 18 देशों को लक्षित कर रहे हैं। हम वैश्विक बाजार में अपनी व्यापक उत्पाद श्रृंखला पेश करेंगे। अपनी उत्पाद श्रृंखला को पूरा करने और अपने उपभोक्ता केंद्रित दृष्टिकोण के साथ खुद को जोड़े रखने के लिए, हमने एक सर्विस सेंटर लॉन्च किया है। इस विभाग के पास 12 घंटे का प्रभावशाली प्रतिक्रिया समय होगा। इससे उपभोक्ताओं के साथ हमारा संबंध मजबूत हुआ है। लिंक लॉक्स अपने ग्राहकों की लगातार बदलती जरूरतों को पूरा करने पर अत्यधिक ध्यान दे रहा है और भविष्य में अपने इनोवेटिव प्रोडक्ट्स और सर्विसेज के दम पर एक शानदार मुकाम हासिल करने की दिशा में अग्रसर है।

Link

उत्तम गुणवत्ता,
किफायती दाम,
हम सब की पसंद

लिंक

मोर्टाइज हैंडल

डोर क्लोज़र

फर्नीचर हिंज

टेलीस्कोपिक चैनल

प्रबल टूल्स

www.link-bharat.com

टोल फ्री: 1800-547-4559

HARRISON
हरीसन
परिवार की ओर से
आप सभी को
गुरुपूर्णिमा
की हार्दिक शुभकामनाएं
बनो हरीसन का
मिस्टर आनंद
और रहो हमेशा आनंद में
सुविधा
स्कीम
ऑफर
9:02 PM
नॉटः- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि।
टोल फ्री नम्बर : 1-800-572-5795
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
www.harrisonlocks.com | email : Info@harrisonlocks.com
9355015108

हरीसन ग्रैंड मेगा नाईट इवेंट में हांस प्रीमियम ब्रांड लांच

हांस प्रीमियम ब्रांड की लांचिंग से हरीसन की गुणवत्ता और नवाचार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया गया। हरीसन ग्रैंड मेगा नाईट इवेंट से ग्राहकों और भागीदारों के साथ कंपनी के मजबूत संबंधों को और भी मजबूत किया गया। हांस के साथ, हरीसन एक नए युग की शुरूआत कर रहा है, जहां हर प्रवेश द्वार लक्जरी और परिष्कार का प्रतीक होगा।

नई दिल्ली। हरीसन लॉक्स एंड हार्डवेयर कंपनी ने अपने नए प्रीमियम ब्रांड 'हांस' को लांच किया है। जनकपुरी स्थित हयात सेंट्रिक में आयोजित एक ग्रैंड मेगा नाइट इवेंट में 'हांस' के लॉन्चिंग समारोह में देशभर से करीब 500 वितरक और डीलर शामिल हुए। इस शानदार आयोजन में न केवल हांस की नवीनतम और सुरुचिपूर्ण डिजाइनों को प्रदर्शित किया गया, बल्कि इसे एक ऐतिहासिक क्षण के रूप में भी चिन्हित किया गया, जो हरीसन की तीन पीढ़ियों और 75 वर्षों से अधिक की विरासत का प्रतीक है।

इस भव्य मेगा नाईट को और भी विशेष बनाने के लिए कई मशहूर हस्तियों ने शिरकत की। प्रसिद्ध टीवी अभिनेता आमिर अली, अदाकारा सोनम सी. छाबड़ा और सच्चिन खुराना ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इसके अलावा बिग एफएम और इश्क एफएम से लोकप्रिय आरजे भी इस खास मौके पर मौजूद रहे, जिन्होंने अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी का मनोरंजन किया।

लॉन्च इवेंट के दौरान हांस रेंज के नवीनतम मॉडलों का प्रदर्शन किया गया, जो इटालियन डिजाइन और उत्कृष्ट डिजाइन का एक आदर्श संगम प्रस्तुत करते हैं। यह नया प्रीमियम ब्रांड हर प्रवेश द्वार को एक भव्य प्रवेश बनाता है, जो लक्जरी और परिष्कार की नई परिभाषा स्थापित करता है। कंपनी के सी. इ. ओ. उमंग मोंगा ने इस अवसर पर कहा कि हांस सिर्फ एक उत्पाद नहीं है बल्कि हरीसन की गुणवत्ता और नवाचार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। आइए साथ मिलकर, हम उस दुनिया का दरवाजा खोलें जहां हर प्रवेश द्वार लक्जरी और परिष्कार की अभिव्यक्ति हो। 1951 में स्थापित हरीसन को तीन पीढ़ियों से उच्च गुणवत्ता वाले लॉक और हार्डवेयर समाधानों के लिए जाना जाता है। हरीसन का नाम लॉक के पर्यायवाची बन चुका है, जो ग्राहकों की संतुष्टि और उत्पादों की गुणवत्ता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के कारण संभव हो सका है। व्यापक शोध के माध्यम से, कंपनी अपने उत्पादों में निरंतर सुधार और मूल्यवर्धन करती रहती है, जिससे वे ग्राहकों की विशेष आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

समारोह में देश भर से आए वितरकों और डीलरों को उनके कड़ी मेहनत और योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह इस भव्य आयोजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था, जिसमें हर किसी ने कंपनी की सफलता में अपने योगदान पर गर्व महसूस किया। इसके साथ ही, हरीसन ने अपने मूल्यवान डीलरों, वितरकों और चैनल भागीदारों के लिए एक निष्ठा कार्यक्रम की भी घोषणा की, जो उनके प्रति कंपनी की कृतज्ञता और समर्थन को दशार्ता है। हरीसन ने अपने ग्राहकों के लिए एक नई सेवा प्रदाता नेटवर्क की भी शुरूआत की है, जो आपके दरवाजे पर उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करेगा। यह पहल कंपनी के उस दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती है, जिसमें ग्राहक संतुष्टि सर्वोपरि है। नई सेवा नेटवर्क के माध्यम से हरीसन अपने ग्राहकों को अत्यधिक सुविधा और संतोषजनक अनुभव प्रदान करने के लिए तत्पर है। हरीसन मेगा नाइट की विशेष झलकियों में मशहूर हस्तियों की उपस्थिति, आकर्षक प्रस्तुति और शानदार आतिशबाजी शामिल थी। आमिर अली, सोनम सी. छाबड़ा और सच्चिन खुराना ने अपने आकर्षक अंदाज से सभी का दिल जीत लिया। बिग एफएम और इश्क एफएम के आरजे ने अपने मनोरंजन शो से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया।

11th EDITION HBLF SHOW JAIPUR

05 06 07 JULY, 2024

HALL-02 STALL-09

हरीसन ने जयपुर में अपने नवीनतम उत्पादों और सेवाओं का शानदार प्रदर्शन किया

हरीसन को 5 जुलाई से 7 जुलाई 2024 तक जयपुर, राजस्थान के जयपुर एग्जीबिशन और कन्वेंशन सेंटर में आयोजित प्रतिष्ठित HBLF एक्सपो में भाग लेने का गर्व प्राप्त हुआ। हमारे स्टॉल 9, हॉल 2 में, हरीसन ने अपने उत्पादों और सेवाओं की नवीनतम प्रस्तुतियों को प्रदर्शित किया, जिसने उपस्थित लोगों में अत्यधिक उत्साह और रुचि पैदा की। इस आयोजन ने हमें एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया, जहां हम अपने नवाचार और उत्कृष्टता को दर्शकों के सामने प्रस्तुत कर सके।

HBLF एक्सपो में भाग लेने का मुख्य उद्देश्य हमारे नवीनतम उत्पादों और सेवाओं को एक व्यापक मंच पर प्रस्तुत करना था। हरीसन ने अपने प्रीमियम लॉक और हार्डवेयर समाधानों की नवीनतम श्रृंखला का प्रदर्शन किया, जिसमें सुरक्षा, गुणवत्ता और सौंदर्यिक आकर्षण पर विशेष जोर दिया गया। हमारी टीम ने दर्शकों को हमारे उत्पादों की विशेषताएं और उनके लाभ समझाए, जिससे वे हमारी तकनीकी उत्कृष्टता और कार्यक्षमता से प्रभावित हुए। हरीसन के स्टॉल को प्रदर्शनी में शानदार प्रतिक्रिया मिली। उपस्थित लोगों ने हमारे उत्पादों में गहरी रुचि दिखाई और उनकी गुणवत्ता और डिज़ाइन की प्रशंसा की। विशेष रूप से हमारे नए उत्पादों की नवाचारिता और उपयोगिता ने लोगों को प्रभावित किया। इस सकारात्मक प्रतिक्रिया ने हमारी टीम को प्रेरित किया और हमारे डिजाइन और कार्यक्षमता की सीमाओं को और भी बढ़ाने के हमारे संकल्प को मजबूत किया।

HBLF एक्सपो में हमारी भागीदारी ने हमें नए व्यावसायिक अवसरों और सहयोग के लिए द्वार खोले हैं। हम अपने उत्पादों को और भी उन्नत बनाने और ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस एक्सपो ने हमें एक नया मंच प्रदान किया है, जहां से हम अपने भविष्य के लक्ष्यों की ओर बढ़ सकते हैं और अपनी व्यापारिक संभावनाओं को विस्तार दे सकते हैं।

हरीसन का HBLF में भाग लेना हमारी गुणवत्ता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है। हम गर्व के साथ अपने ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ समाधान प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। यह आयोजन न केवल हमारे लिए एक सफल व्यापारिक अवसर था, बल्कि एक ऐसा मंच भी था, जिसने हमें अपने उत्पादों और सेवाओं की उत्कृष्टता को दर्शाने का अवसर प्रदान किया। HBLF एक्सपो ने हमें प्रेरित किया है कि हम अपने ग्राहकों को उच्चतम स्तर की संतुष्टि और विश्वसनीयता प्रदान करने के अपने संकल्प को और भी मजबूती से निभाएं।

आगामी प्रदर्शनी

MATECIA BUILDING MATERIAL EXHIBITION

HARRISON Glorious for Years

22 23 24 25 AUGUST 2024

HALL-01 STALL-A6

Yashobhoomi, Dwarka New Delhi

अगस्त में आयोजित होने वाली MATECIA 2024 - Building Material Exhibition India के सेमिनार में हरीसन ने एक बड़ा स्टाल बुक किया है। यह हॉल न. 01 और स्टाल न. A-6 में स्थित होगा। इस आगामी प्रदर्शनी में हरीसन हाल ही में लॉन्च किए गए हांस ब्रांड को प्रदर्शित करेगा, जो कि इटालियन डिज़ाइन से प्रभावित है। हरीसन अपने नए उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाने वाला है। यह सेमिनार 22, 23, 24 और 25 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। हरीसन की यह पहल न केवल उनके उत्पादों की उत्कृष्टता को दर्शाती है बल्कि बाजार में उनकी उपस्थिति को भी मजबूत करती है। MATECIA 2024 में हरीसन की भागीदारी को लेकर कंपनी के प्रतिनिधि काफी उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि इस प्रदर्शनी में उनके उत्पादों को काफी सराहना मिलेगी।

www.harrisonlocks.com | Find Us On : Toll Free No. :1-800-572-5795 ADVT

लकड़ी की आवक घटने से प्लाईवुड के दाम बढ़े

यमुनानगर। हरियाणा प्लाईवुड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने प्लाईवुड की कीमतों में वृद्धि कर दी है। प्लाईवुड के दाम में वृद्धि किए जाने के पीछे लकड़ी की कीमतों में बढ़ोतरी होना बताया जा रहा है। कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से प्लाईवुड फैक्ट्री संचालकों को नुकसान हो रहा है। जिले में प्लाईवुड उद्योग का सालाना टर्नओवर करीब 1400 करोड़ रुपये का है।

हरियाणा प्लाईवुड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के जिला प्रधान जेके बिहानी ने बताया कि लकड़ी की आवक पहले से काफी घट गई है। जिससे प्लाईवुड का उत्पादन कम हो गया है। जितनी लकड़ी रोजाना चाहिए उसकी आधी भी नहीं मिल रही। वहीं लकड़ी का रेट रोजाना बढ़ रहा है। इस घाटे से उबरने के लिए एसोसिएशन ने मजबूरी में प्लाईवुड, बोर्ड व दरवाजे के रेट बढ़ाए हैं। प्लाईवुड व बोर्ड की कीमतों में अधिकतम दो रुपये और दरवाजे का दाम तीन रुपये प्रति वर्ग फीट तक बढ़ गया है। प्लाईवुड व बोर्ड की कीमतों में अधिकतम दो रुपये और दरवाजे का दाम तीन रुपये प्रति वर्ग फीट तक बढ़ गया है। यमुनानगर में दो लक्कड़ मंडियां हैं। इनमें एक मंडी जगाधरी-पांवटा साहिब नेशनल हाईवे पर मानकपुर में तथा दूसरी सहारनपुर मार्ग पर मंडोली गांव में है। किसान व ठेकेदार ट्रैक्टर-ट्रालियों में भरकर खेतों से पॉपुलर व सफेदा की लकड़ी इन दोनों लक्कड़ मंडियों में लेकर आते हैं।

निम्न से उच्च गुणवत्ता के पॉपुलर की लकड़ी इस वक्त मंडी में 1400 से 1800 रुपये प्रति क्विंटल बिक रही है। जबकि एक साल पहले पॉपुलर 1000 से 1200 रुपये क्विंटल था। सात-आठ साल पहले तक दोनों लक्कड़ मंडियों में रोजाना लकड़ी की 1000 से अधिक ट्रालियां आती थी। परंतु कोरोना महामारी के बाद से मंडियों में लकड़ी की आवक तेजी से घटी है। दो साल पहले तक रोजाना औसतन 450 से 500 ट्रालियां लकड़ी की आ रही थी। जो अब घटकर 300 से 350 पर आ गई हैं। लकड़ी कम होने से फैक्ट्रियों में प्लाई का उत्पादन 50 प्रतिशत तक घट गया है। यमुनानगर की प्लाईवुड इंडस्ट्री में बना सामान देश के विभिन्न राज्यों में सप्लाई होता है।

फर्नीचर मार्केट के ध्वस्तीकरण पर रोक लगाने की मांग

चंडीगढ़। सेक्टर 53 में स्थित फर्नीचर मार्केट उत्तर भारत का सबसे बड़ा फर्नीचर मार्केट है। इस मार्केट से जुड़े हजारों लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है। नगर प्रशासन की ओर से फर्नीचर मार्केट के ध्वस्तीकरण कार्यवाई पर रोक लगाने की मांग को लेकर पूर्व मेयर ने प्रशासक से मुलाकात की और उन्हें स्थिति से अवगत कराया और ध्वस्तीकरण पर रोक लगाने की मांग की। प्रशासक ने सहमति जताई और आगे की प्रशासनिक कार्रवाई के संबंध में डिप्टी कमिश्नर से मिलने के लिए कहा। प्रशासन द्वारा इस बात पर सहमति बनी कि 28 जून के तोड़फोड़ नोटिस के संबंध में जिन व्यक्तिगत मालिकों को नोटिस प्राप्त हुए हैं, वे अपने कब्जे वाले क्षेत्र का विवरण देते हुए जवाब दाखिल करेंगे और प्रशासन किराए की गणना करेगा व मार्केट के लिए पुनर्वास नीति आने तक उपयोग किए जा रहे क्षेत्र के लिए उनसे किराया वसूला जाएगा। जो मालिक नोटिस का जवाब नहीं देंगे, केवल उन्हीं परिसरों को ध्वस्त करने पर विचार किया जाएगा।

ऑनलाइन फर्नीचर कंपनी के संस्थापक अंबरीश मूर्ति नहीं रहे

मुंबई। ऑनलाइन फर्नीचर स्टोर पेपरफ्राई के को-फाउंडर अंबरीश मूर्ति का लेह में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनके दोस्त और पेपरफ्राई के सह-संस्थापक आशीष शाह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में उनके निधन की जानकारी दी। शाह ने लिखा कि यह बताते हुए बेहद दुख हो रहा है कि मेरे दोस्त, गुरु, भाई, आत्मीय साथी अंबरीश मूर्ति अब नहीं रहे। लेह में दिल का दौरा पड़ने की वजह से हमने उन्हें खो दिया। आईआईएम कलकत्ता के पूर्व छात्र मूर्ति ने वर्ष 2012 में मुंबई में होम डेकोर कंपनी पेपरफ्राई की स्थापना की थी। मूर्ति ट्रैकिंग के बड़े शौकीन थे। छुट्टियों के लिए उनकी पसंदीदा जगह लद्दाख थी। 51 वर्षीय

अंबरीश ने प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान कलकत्ता से पढ़ाई की जिसके बाद उन्होंने कैटबरी, ईबे जैसी कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वित्तीय क्षेत्र में जाने से पहले उन्होंने चॉकलेट कंपनी के साथ पांच साल से अधिक समय तक काम किया। उन्होंने लगभग दो वर्षों तक आईसीआईसीआई एएमसी में मार्केटिंग और कस्टमर केयर के वाइस प्रेसिडेंट के रूप में काम किया। शुरूआत में पेपरफ्राई लाइफ स्टाइल प्रोडक्ट बेचा करती थी। एक इंटरव्यू में मूर्ति ने बताया था कि पहले उन्हें इस बात का पूरी तरह से यकीन नहीं था कि ग्राहक अभी फर्नीचर बिजनेस के लिए तैयार हैं। 2013 में जब उन्हें लगा कि फर्नीचर होम डेकोर बिजनेस में उनकी पकड़ अच्छी है तो इसी पर फोकस किया। कंपनी 500 शहरों में फर्नीचर पहुंचाती है और अपनी स्थापना के बाद से लगभग 1,770 करोड़ जुटा चुकी है।

Mahacol
SINCE 1971

NIKHIL
ADHESIVES LTD.

Happy
गुरुपूर्णिमा

GERMAN TECHNOLOGY

देव शिल्पी विश्वकर्मा ने बनाई भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी की प्रतिमा

ओडिशा के पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर को हिन्दुओं के चार धाम में से एक गिना जाता है। यह वैष्णव संप्रदाय का मंदिर है, जो भगवान विष्णु के अवतार श्री कृष्ण को समर्पित है। जगन्नाथ शब्द का अर्थ जगत के स्वामी होता है। इनकी नगरी ही जगन्नाथ पुरी या पुरी कहलाती है। विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा अवसर पर 10 दिनों तक धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है जिसमें काफी संख्या में श्रद्धालुगण भाग लेते हैं। जगन्नाथ रथ उत्सव आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया से आरंभ करके शुक्ल एकादशी तक मनाया जाता है। इस दौरान रथ को अपने हाथों से खींचना बेहद शुभ माना जाता है। इस वर्ष भगवान जगन्नाथ 7 जुलाई 2024 को बहन सुभद्रा और भाई बलदाऊ के साथ रथ में सवार होकर नगर भ्रमण करेंगे। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलदाऊ की मूर्तियां नीम की लकड़ी से बनी हैं। जो अपने आप में अद्भुत हैं। परंपरा के अनुसार जगन्नाथ पुरी में इन मूर्तियों को हर 12 साल बाद बदल दिया जाता है।

भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलदाऊ की मूर्तियां जो बनाई जाती है उनके हाथ और पैर के पंजे नहीं होते हैं। इन मूर्ति में कमर से नीचे का हिस्सा नहीं होता है। जेष्ठ पूर्णिमा पर भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा, भाई बलदाऊ का महास्नान पंचामृत से किया जाता है। शीत लगने के कारण बीमार हो जाते हैं इसके बाद मूल सिंहासन से हटकर भगवान शयन कक्ष में चले जाएंगे। जहां वैद्य आयुर्वेदिक औषधियों से उनका उपचार करते हैं। इस दौरान भगवान को हल्का भोजन दिया जाता है। आषाढ़ माह के शुक्लपक्ष की द्वितीया तिथि को ओडिशा के पुरी नगर में होने वाली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा सिर्फ भारत ही नहीं विश्व के सबसे विशाल और महत्वपूर्ण धार्मिक उत्सवों में से एक है जिसमें भाग लेने के लिए पूरी दुनिया से लाखों श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। सागर तट पर बसे पुरी शहर में होने वाली जगन्नाथ रथयात्रा उत्सव के समय आस्था का जो विराट वैभव देखने को मिलता है वह और कहीं दुर्लभ है।

पुरी के महाराज जनता को करते हैं प्रणाम –

रथयात्रा की शुरूआत पुरी के महाराज के छेरा पहांरा के साथ होती है। छेरा पहांरा का मतलब है महाराज खुद सोने की झाड़ू से रथ के साथ साथ उस रास्ते में झाड़ू लगाते हैं जिस रास्ते में भगवान का रथ निकलने वाला होता है। रथयात्रा के दिन और बाहुड़ा यात्रा के दिन खुद पूरी के महाराज अपने प्रजा यानी जनता को हाथ जोड़कर प्रणाम करते हैं। जगन्नाथ रथयात्रा दस दिवसीय महोत्सव होता है। यात्रा की तैयारी अक्षय तृतीया के दिन श्रीकृष्ण, बलराम और सुभद्रा के रथों के निर्माण के साथ ही शुरू हो जाती है। वर्तमान रथयात्रा में जगन्नाथ को दशावतारों के रूप में पूजा जाता है, उनमें विष्णु, कृष्ण और वामन और बुद्ध हैं। कहते हैं कि राजा इंद्रद्युम्न, जो सपरिवार नीलांचल सागर (उड़ीसा) के पास रहते थे, को समुद्र में एक विशालकाय काष्ठ दिखा। राजा के उससे विष्णु मूर्ति का निर्माण कराने का निश्चय करते ही वृद्ध बढ़ई के रूप में विश्वकर्मा जी स्वयं प्रस्तुत हो गए। उन्होंने मूर्ति बनाने के लिए एक शर्त रखी कि मैं जिस घर में मूर्ति बनाऊंगा उसमें मूर्ति के पूर्णरूपेण बन जाने तक कोई न आए। राजा ने इसे मान लिया। आज जिस जगह पर श्री जगन्नाथ जी का मंदिर है उसी के पास एक घर के अंदर वे मूर्ति निर्माण में लग गए। राजा के परिवारजनों को यह ज्ञात न था कि वह वृद्ध बढ़ई कौन है। कई दिन तक घर का द्वार बंद रहने पर महारानी ने सोचा कि बिना खाए-पिये वह बढ़ई कैसे काम कर सकेगा। अब तक वह जीवित भी होगा या मर गया होगा। महारानी ने महाराजा को अपनी सहज शंका से अवगत करवाया। महाराजा के द्वार खुलवाने पर वह वृद्ध बढ़ई कहीं नहीं मिला लेकिन उसके द्वारा अर्द्धनिर्मित श्री जगन्नाथ, सुभद्रा तथा बलराम की काष्ठ मूर्तियां वहां पर मिली। इसके बाद राजा-रानी ने इन मूर्तियों को स्थापित करके पूजा अर्चना शुरू कर दी। तभी से हर वर्ष यह रथयात्रा नगर में निकाली जाती है। सभी रथ नीम की पवित्र और परिपक्व लकड़ियों से बनाए जाते हैं, जिसे दारु कहते हैं। इसके लिए नीम के स्वस्थ और शुभ पेड़ की पहचान की जाती है। जिसके लिए जगन्नाथ मंदिर एक खास समिति का गठन करती है। इन रथों के निर्माण में किसी भी प्रकार के कील या कांटे या अन्य किसी धातु का प्रयोग नहीं होता है। ये रथ

तीन रंगो में रंगे जाते हैं। मान्यता है कि श्रीकृष्ण जगन्नाथ जी की कला का ही एक रूप हैं।

जगन्नाथ मंदिर से रथयात्रा शुरू होकर पुरी नगर से गुजरते हुए ये रथ गुंडीचा मंदिर पहुंचती है। यहां भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा सात दिनों के लिए विश्राम करते हैं। गुंडीचा मंदिर में भगवान जगन्नाथ के दर्शन को 'आड़प-दर्शन' कहा जाता है। गुंडीचा मंदिर को 'गुंडीचा बाड़ी' भी कहते हैं। यह भगवान की मौसी का घर है। इस मंदिर के बारे में पौराणिक मान्यता है कि यहीं पर देव शिल्पी विश्वकर्मा ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी की प्रतिमाओं का निर्माण किया था। कहते हैं कि रथयात्रा के तीसरे दिन यानी पंचमी तिथि को देवी लक्ष्मी, भगवान जगन्नाथ को ढूंढते हुए यहां आती हैं। तब द्वैतापति दरवाजा बंद कर देते हैं, जिससे देवी लक्ष्मी रुष्ट होकर रथ का पहिया तोड़ देती है और 'हेरा गोहिरी साही पुरी' नामक एक मुहल्ले में, जहां देवी लक्ष्मी का मंदिर है, वहां लौट जाती हैं। बाद में भगवान जगन्नाथ द्वारा रुष्ट देवी लक्ष्मी को मनाने की परंपरा भी है। यह मान-मनौवल संवादों के माध्यम से आयोजित किया जाता है, जो एक अद्भुत भक्ति रस उत्पन्न करती है। आषाढ़ माह के दसवें दिन सभी रथ पुनः मुख्य मंदिर की ओर प्रस्थान करते हैं। रथों की वापसी की इस यात्रा की रस्म को बहुड़ा यात्रा कहते हैं। जगन्नाथ मंदिर वापस पहुंचने के बाद भी सभी प्रतिमाएं रथ में ही रहती हैं। देवी-देवताओं के लिए मंदिर के द्वार अगले दिन एकादशी को खोले जाते हैं, तब विधिवत स्नान करवा कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच देव विग्रहों को पुनः प्रतिष्ठित किया जाता है। वास्तव में रथयात्रा एक सामुदायिक पर्व है। इस अवसर पर घरों में कोई भी पूजा नहीं होती है और न ही किसी प्रकार का उपवास रखा जाता है। एक अहम् बात यह कि रथयात्रा के दौरान यहां किसी प्रकार का जातिभेद देखने को नहीं मिलता है। रथ यात्रा में रथ को अपनी हाथों से खीचना अति शुभ माना जाता है।

जगन्नाथ पूरी रथ यात्रा में श्री कृष्ण जी, बलराम जी एवम बहन सुभद्रा का रथ बनाया जाता है। यह रथ लकड़ी से कुशल कारीगर के द्वारा तैयार किया जाता है। जगन्नाथ रथ यात्रा में जगन्नाथ जी के रथ को 'गरुड़ध्वज' बलराम जी के रथ को 'तलध्वज' व सुभद्रा जी के रथ को 'पद्मध्वज' कहा जाता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

कंगना ने गिनाये अग्निवीर योजना के फायदे

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती है। वह कई मुद्दों पर अपनी राय खुलकर रखते हुए नजर आती हैं। एक्ट्रेस ने लोकसभा चुनाव 2024 में मंडी से जीत हासिल की और सांसद बनी। अब कंगना रनौत ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है और केंद्र सरकार की अग्निवीर योजना को सपोर्ट किया है। लोकसभा के पहले सत्र में अग्निवीर योजना को लेकर बहस चल रही है। संसद से होते हुए यह मुद्दा सोशल मीडिया में पहुंच गया और लोग अपनी राय रख रहे हैं। ऐसे में कंगना ने उसे सपोर्ट करते हुए पोस्ट किया है और उनके इस पोस्ट पर यूजर्स ने भी अपने रिएक्शन दिए हैं। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट लिखी है। उन्होंने शुरूआत में लिखा कि पूरी तरह से सहमत हूं। मैं भी छोटे से गांव से आती हूं। कॉन्फिडेंस की कमी और प्रेजेंटेशन हमारे लिए बड़ी चुनौतियां हैं, जो गांव से आने वाले और सरकारी हिंदी मीडियम स्कूल के बच्चे ही फेस करते हैं। कंगना लिखती है कि थोड़े समय के लिए भी फौज में काम करने से ना सिर्फ आप निखरते हैं, बल्कि आपको एक शख्सियत और चरित्र भी देता है, जिसमें राष्ट्रीयता और सबको साथ लेकर चलने की भावना समाहित होती है। शिष्टाचार और अनुशासन सिखाता है। साथ ही अगर आप सोल्जर बनना चाहें तो आपको सैनिक बनने का अवसर भी देता है। एक्ट्रेस ने लिखा कि बस फिर दुनिया को जीतने के लिए आपको और क्या चाहिए। आपको इस सारी ट्रेनिंग के लिए पैसे मिलते हैं, सोचिए। काश, बड़े होते वक्त मुझे भी ये सुविधाएं मिलती। मुझे मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक रूप से एक सैनिक बनने के लिए खुद को प्रशिक्षित करना पड़ा। मैंने कई क्लास लीं, जिम ज्वाइन किया और रामकृष्ण मिशन मठ में जाती थी। साथ ही हर दिन अपनी रोटी और छत के लिए संघर्ष करती थी।

मैं फिल्म इंडस्ट्री में सबसे बदसूरत

नवाजुद्दीन सिद्दीकी बॉलीवुड के बेहतरीन एक्टर्स में से एक हैं। उनकी एक्टिंग का हर कोई दीवाना है, लेकिन उनके लुक्स को कई बार जज किया जाता है। नवाजुद्दीन ने खुद इसके बारे में बात की और बताया कि लोग उन्हें अट्रैक्टिव नहीं मानते और अब वो खुद भी ये मानने लगे हैं। अपने लुक्स को लेकर इंडस्ट्री में उन्हें कई बार बातें भी सुननी पड़ी हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में इसके बारे में बात की और कहा कि पता नहीं कुछ लोगों को शक्लों से हमारी नफरत क्यों है। क्योंकि शक्ल ही ऐसी है, इतने बदसूरत हैं हमलोग। हमें भी लगता है जब अपने आपको आईने में देखते हैं। हम भी बोलते हैं अपने आप को क्यों आ गए फिल्म इंडस्ट्री में इतनी गंदी शक्ल के साथ। मैं देखने में इंडस्ट्री का सबसे बदसूरत एक्टर हूं। मैं तो ये मानता हूं, क्योंकि मैं शुरू से ये सब सुनते आ रहा हूं और अभी मानने भी लगा हूं। फिल्म इंडस्ट्री से मुझे शिकायत नहीं है, मैं सारे डायरेक्टर्स को धन्यवाद कहना चाहता हूं, जिन्हें मुझे अलग-अलग किरदार दिए। अगर आपके अंदर थोड़ा सा भी टैलेंट है तो इंडस्ट्री बहुत कुछ देती है।

दुल्हन के लिबास में नोरा फतेही

बॉलीवुड में अपने डांस मूव्स और हॉट फिगर को लेकर सुर्खियों में रहने वाली एक्ट्रेस नोरा फतेही ने हाल ही में अपनी कुछ तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की हैं जिनमें वो ब्राइडल लुक में नजर आ रही है। फोटो में नोरा फतेही हैवी ज्वेलरी में नजर आ रही है, जिनमें मांग टीका, इयररिंग्स, गले में हैवी हार, कंगन और रिंग्स शामिल है।

दीपिका ने रणवीर सिंह के बर्थडे को बनाया खास

बॉलीवुड के बाजीराव यानी रणवीर सिंह बॉलीवुड के नामी सितारों में से एक हैं। उन्हें बॉलीवुड में पहला ब्रेक साल 2010 में रिलीज हुई फिल्म बैंड बाजा बारात से मिला और इसके बाद उन्होंने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी प्रेग्नेंट पत्नी और बॉलीवुड स्टार दीपिका

पादुकोण ने रणवीर सिंह के 39वें बर्थडे को सेलिब्रेट कर बेहद खास बना दिया। रणवीर को दीपू ने ऐसा गिफ्ट दिया, जिसको देखने के बाद से वह खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। दीपिका पादुकोण पर्पल कलर की खूबसूरत साड़ी में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के संगीत सेरेमनी में शामिल हुईं। वह साड़ी में अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आईं। एक्ट्रेस ने अपनी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की और कैप्शन लिखा कि बेबी पार्टी करना चाह रहा है। रणवीर ने लिखा, 'माई ब्यूटीफुल बर्थडे गिफ्ट...लव यू' , रणवीर का यह रिएक्शन बता रहा है कि वो आने वाले बेबी के लिए कितने एक्साइटेड हैं। शादी के 6 साल बाद उनके घर में किलकारियां गूंजने वाली है।

रणबीर-आलिया और विक्की पर बड़ा दांव

हिंदी सिनेमा के फिल्म डायरेक्टर संजय लीला भंसाली का नाम जब किसी फिल्म के साथ जुड़ जाता है तो वो पिक्चर अपने आप ही चर्चा का हिस्सा बन जाती है। अपनी फिल्मों के जरिए भंसाली दर्शकों को एक अलग ही दुनिया में ले जाते हैं। डायरेक्टर की फिल्मों की कहानियों में दर्शक पूरी तरह से डूब जाते हैं। ऐसे में अब उनकी अपकमिंग फिल्म लव एंड वॉर लगातार चर्चा में छाई हुई है।

अपनी इस फिल्म के लिए भंसाली ने रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल को फाइनल किया है। लव एंड वॉर संजय लीला भंसाली के करियर की 10वीं डायरेक्शन में बनने वाली फिल्म है। इस फिल्म को अगले साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज किया जाएगा। मीडिया सूत्रों के मुताबिक लव एंड वॉर के लिए संजय लीला भंसाली ने जियो स्टूडियोज के साथ हाथ मिलाया है। इसे डायरेक्टर के करियर की सबसे बड़ी फिल्म भी कहा जा रहा है। भंसाली फिल्म के प्री प्रोडक्शन वर्क को लेकर लगातार बिजी चल रहे हैं। लव एंड वॉर को बनाने के लिए भंसाली अपने सिग्नेचर पीरियड ड्रामा से थोड़ा ब्रेक ले रहे हैं। लंबे समय बाद वो पीरियड ड्रामा से हटकर दर्शकों के सामने कुछ नया पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म की कहानी इंटेंस लव स्टोरी पर आधारित होगी। बीते दिनों भंसाली ने फिल्म का म्यूजिक स्कोर फाइनल किया है और लीड एक्टर्स के साथ स्क्रिप्ट-रीडिंग सेशन होस्ट किए है। डायरेक्टर इस बार नए रंग, म्यूजिक, ड्रामा, एक्शन और रॉ इमोशन के साथ इस कहानी को तैयार करने वाले हैं। लव एंड वॉर की शूटिंग नवंबर 2024 से शुरू होने वाली है। भंसाली ने इस फिल्म की शूटिंग के लिए लगातार 250 दिनों के लंबे शेड्यूल की प्लानिंग की है। उम्मीद की जा रही है कि इस साल नवंबर में रणबीर कपूर के साथ फिल्म का एक छोटा सा हिस्सा शूट किया जा सकता है।

पक्का जोड़ HAMESHA

EURO 7000 SYNTHETIC WOOD ADHESIVE

MONSOON OFFER

Euro WP 2in1 के 800 gm वाले 70 पाउच के ड्रम के अंदर

1 Umbrella Free

15 Rs/-
TOKEN/POUCH
+
1
POINT/POUCH
+
1
UMBRELLA

Euro Extreme 3 Hi-Strong के 800 gm वाले 70 पाउच के ड्रम के अंदर

1 Umbrella Free

25 Rs/-
TOKEN/POUCH
+
2
POINTS/POUCH
+
1
UMBRELLA

» यह ऑफर लिमिटेड समय के लिए है।
» Umbrella ड्रम के अंदर रहेगा।

Zubaan Ke पक्के Rewards

SCAN KIJIYE
GET IT ON Google Play
Available on the App Store

JYOTI RESINS & ADHESIVES LIMITED
www.euro7000.com

पिता बनाते थे औजार, बेटा बना प्रधानमंत्री

मुंबई। ब्रिटेन में आम चुनाव में भारी जीत हासिल करने वाले कीर स्टार्मर ब्रिटेन के नए प्राइम मिनिस्टर बन गए हैं। वे 10 डाउनिंग स्ट्रीट के अगले निवासी बनेंगे। वहीं इस जीत के साथ लेबर पार्टी ने 15 साल लंबा कंजर्वेटिव पार्टी का राज खत्म कर दिया।

61 वर्षीय लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर पार्टी के भरोसेमंद नेता हैं। 61 साल के कीर स्टार्मर 2 सितंबर 1962 को सरे के ऑक्सटेड शहर में एक मध्यम वर्गीय परिवार में जन्मे थे। इनके पिता औजार बनाते थे और मां नर्स थीं, जो रुमेटीइड आर्थराइटिस नामक गंभीर बीमारी से जूझ रही थी। माता-पिता ने कीर स्टार्मर का पहला नाम लेबर पार्टी के संस्थापक कीर हार्डी के नाम पर रखा, इसलिए कीर स्टार्मर ने अपना जीवन पार्टी को समर्पित किया है। स्टार्मर 16 साल की उम्र में ही लेबर पार्टी के यंग सोशलिस्ट्स बन गए थे। स्टार्मर ने लॉ की डिग्री ली हुई है। वे अपने परिवार से लॉ की पढ़ाई करने वाले पहले शख्स हैं।1987 में बतौर वकील करियर की शुरूआत करने वाले स्टार्मर ने 1990 ने डौटी स्ट्रीट चेंबर्स की स्थापना की। स्टार्मर ह्यूमन राइट्स वकील थे, लेकिन अपने पेशे के साथ जनसेवा करने के लिए वे राजनीति में आ गए। उन्होंने 52 साल की उम्र में साल 2015 में राजनीति में सक्रिय एंट्री की थी। वे हॉलबोर्न और सेंट पैंक्रास से चुनाव जीतकर सांसद बने थे। इससे पहले स्टार्मर 2002 में क्वींस काउंसिल (क्यूसी) नियुक्त हुए। उन्होंने कैरेबियन और अफ्रीका की यात्रा की। टोनी ब्लेयर सरकार द्वारा इराक पर किए गए हमले को भी चैलेंज किया। स्टार्मर ने 2008 से 2013 तक स्टीफन लॉरेंस मर्डर केस जैसे हाई प्रोफाइल केस देखे। 2015 में हाउस ऑफ कॉमन्स के लिए चुने गए।

वन विभाग के गोदामों में सड़ रही बेशकीमती लकड़ियां

हल्द्वानी। उत्तराखंड में लकड़ी तस्करी इन दिनों चरम पर है। राज्य के विभिन्न वन प्रभागों की हर रेंज में कार्रवाई के दौरान तस्करों से लकड़ी बरामद की गई है। यह जब्त लकड़ी विभागीय कार्यालय परिसरों में खुले में रखी सड़ रही है। हल्द्वानी में तराई केंद्रीय वन प्रभाग के जज फार्म स्थित एसओजी कार्यालय परिसर तो खुले में रखी ऐसी ही जब्त की गई विभिन्न लकड़ियों से भरा पड़ा है। इन लकड़ियों को समय से नीलाम कर वन विभाग राजस्व में करोड़ों रुपये जमा करा सकता था। लेकिन इसे लेकर वन विभाग के अधिकारी इस प्रक्रिया में तमाम तकनीक दिक्कतें गिनाते हैं। साल-दर-साल रेंज कार्यालयों में बर्बाद हो रही करोड़ों रुपये कीमत की यह लकड़ी इस मानसून में और फिर भीग कर सड़ेगी, जिससे इसकी कीमत और कम हो जाएगी। लेकिन इसकी नीलामी प्रक्रिया में तमाम पेंच बताकर विभाग इस ओर से आंखें मूंदे हुए हैं। वन तस्करों से बरामद लकड़ी के मामलों को विभागीय स्तर पर निपटाकर उनकी वन निगम के माध्यम से नीलामी की जाती है। इसके अलावा जो मामले कोर्ट में विचाराधीन हैं, उनमें कोर्ट से अनुमति लेकर लकड़ी को नीलाम किया जाता है।

OZONE® | KITCHEN & FURNITURE FITTINGS

ओज़ोन बेड लिफ्ट-अप सिस्टम
क्वालिटी ऐसी जो चले सालों-साल

प्रो सिरिज

स्टैंडर्ड सिरिज

लोड केपेसिटी

वाइड ओपनिंग ऐंगल

इजी टु लिफ्ट

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

इंस्टॉलेशन वीडियो देखने के लिए स्कैन करें

+91 9310012300 I हमें फोलो करें